## प्राष्ट्राप्ट्र

वर्षः ०२/ संस्करणः ०३/ पृष्ठः ०८/ मूल्यः ५ रूपये

भिवानी, सोमवार १० मार्च २०२५

## भगीरथमल बुवानीवाला की 32वीं पुण्यतिथि पर अर्पित की श्रद्धांजलि

हम एक ऐसी आत्मा का स्मरण कर रहे हैं जिन्होंने सेवा के मार्ग पर चलकर अपना जीवन जिया और सबको प्रेरणा का मार्ग दिखाया। यह उद्गार वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट के अध्यक्ष, अधिवक्ता शिवरत्न गुप्ता ने आदर्श महिला महाविद्यालय में आयोजित भगीरथमल बुवानीवाला की 32वीं पुण्यतिथि पर आयोजित पुष्पाजंलि सभा में कही।

गुप्ता ने यह भी कहा कि पिछले 32 वर्षों से भगीरथमल बुवानीवाला का परिवार उनकी पुण्यतिथि पर इस प्रकार के आयोजन करता है जो निश्चित रूप से सीखने योग्य बात है। भगीरथमल ने समाज सेवा व महिला शिक्षा के साथ-साथ अपने परिवार में भी उच्च संस्कारों का पोषण किया है। उन्होनें कहा कि भगीरथ मल ने शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भिवानी में अनेक विद्यालय व महाविद्यालय निर्माण करवा कर शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र



निर्माण का कार्य किया।

इस अवसर पर मुंगीपा शिक्षण संस्थान के संचालक राधेश्याम कौशिक ने कहा कि भगीरथमल स्वयं समरसता के प्रत्यक्ष उदाहरण थे। उन्होंने अपने सेवा कार्यों में कभी भेदभाव नहीं किया। उनका जीवन असंख्य

लोगों के लिए एक प्रेरणा का केंद्र बिंदु है। कौशिक ने कहा कि हमारे शास्त्रों में भी बताया गया है कि कोई भी व्यक्ति अपने माता-पिता के पुण्य से गुण, शील, शिक्षा और योग्यता प्राप्त करता है। यह विचार स्व. भगीरथमल और उनके सुपुत्रों पर बिल्कुल

सही बैठता है। महिला शिक्षा के पक्षधर भगीरथमल बुवानीवाला की 32वीं पुण्यतिथि पर महाविद्यालय में नगर के गणमान्य व्यक्तियों एवं प्राध्यापिकाओं ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में गणमान्य व्यक्तियो व उनके पुत्रो ने त्रिवेणी भी लगाई। महाविद्यालय प्रबंधकारिणी समिति महासचिव अशोक बुवानीवाला ने अपने पिता को पुष्पाजंलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होनें सामाजिक उत्थान के प्रत्येक क्षेत्र में अतुलनीय कार्य किए। सालों पहले सोशल मीडिया के अभाव में भी देश के प्रत्येक कोने से उनका जुड़ाव रहा। वह बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे।

वह महिला शिक्षा के प्रबल समर्थक रहें। वह शिक्षा रूपी गंगा को छोटी काशी में बहाकर लाए। उन्हें प्रसिद्ध समाजसेवी,

कर्मयोगी एवं इतिहासकार बताते हुए यह भी कहा कि महाविद्यालय की उन्नति ही उन्हें एक सच्ची श्रद्धांजलि है। जिसके लिए महाविद्यालय का समस्त परिवार पूरी लगन से कार्यरत है। इस अवसर पर प्राचार्या डॉ0 अलका मित्तल ने कहा कि उनकी देन आदर्श महिला महाविद्यालय आज अनेको-अनेक छात्राओं को शिक्षा रूपी फूल से फलीभूत कर रहा है। जिसकी सुगंध राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैल रही है। इस अवसर पर सुन्दरलाल अग्रवाल, नन्द किशोर अग्रवाल राधेश्याम बुवानीवाला, पवन बुवानीवाला, सुशील बुवानीवाला, नीलम जैन, प्रवीन गर्ग, बलराज दवाई वाले, पीडी अग्रवाल, सुभाष सोनी, कामरेड रवि खन्ना, कमला गुरेजा, संजय गोयल, प्रो, पवन गुप्ता सहित महाविद्यालय का समस्त शिक्षक व गैर-शिक्षक वर्ग उपस्थित रहा।

#### अभिभावक शिक्षक बैठक का आयोजन



व स्नातकोत्तर छात्राओं के लिए आदर्श महिला महाविद्यालय में अभिभावक शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें अभिभावकों ने प्राध्यापिकाओं के साथ छात्राओं के भविष्य को लेकर बातचीत की। उन्होंने छात्राओं को भविष्य में कराए जाने वाले विभिन्न प्रोफेशनल कोर्स, कक्षा गतिविधि एवं छात्राओं के सर्वांगीण विकास से संबंधित विभिन्न प्रश्न भी पुछे। जिसका प्राध्यापिकाओ ने बड़ी सरलता से उत्तर दिया। गौरतलब हैं महाविद्यालय प्राचार्या ने गंभीरत से प्रकाश ड़ालते हुए बताया कि आज कल महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति कम होती जा रही हैं, जिसके मद्देनजर विद्यार्थियों में अनुशासन, नैतिकता, समय प्रबंधन एवं कौशल जैसे गुण विलुप्त होते जा रहें हैं। आज महाविद्यालय में आयोजित इस बैठक का मुख्य उद्देश्य यही रहा कि अभिभावकों को इस बात से अवगत करवाना कि वह अपने बच्चे

को महाविद्यालय अवश्य भेजें उन्होंने यह भी बताया कि बैठक से पहले छात्राओं की हाजिरी को जांचा गया और जिन छात्राओं की हाजिरी 50 प्रतिशत से कम मिली उनके अभिभावकों को फोन करके अनिवार्य रूप से बैठक में आने को कहा गया।

माता-पिता एवं गुरुजन आपस में तालमेल होना आवश्यक हैं। यदि किसी भी माता पिता को अपने बच्चों से संबंधित किसी प्रकार की कोई भी जानकारी प्राप्त करनी है।तब वह महाविद्यालय आकर प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि महाविद्यालय छात्राओं के शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत है, जिसमें अभिभावकों का सहयोग भी अनिवार्य है। मीडिया प्रभारी डॉ. गायत्री बंसल ने बताया कि सभा का आयोजन प्राचार्या डाॅं० अलका मित्तल के मार्गदर्शन में संयोजिका डॉ.शालिनी व बबीता चौधरी द्वारा किया गया।

### आर्दश महिला महाविद्यालय बना वेस्ट मेनेजेमेंट में आर्दश संस्था

नगर निगम की चार सदस्यीय टीम ने आदर्श महिला महाविद्यालय का दौरा किया और महाविद्यालय में किए जा रहे कचरा प्रबंधन एवं पुनर्चऋण प्रयासों की सराहना की। यह महाविद्यालय इस क्षेत्र का पहला ऐसा संस्थान बन गया है, जिसने अपने परिसर में उत्पन्न होने वाले कचरे को सफलतापूर्वक पुनर्चऋण कर जैविक खाद में परिवर्तित किया है। नगर निगम अधिकारियों ने इस पहल को 'काला सोना' की संज्ञा दी।

छात्राओं ने महाविद्यालय की खाद निर्माण टीम एवं कचरा प्रबंधन समिति के सहयोग से इस प्रिक्रया को प्रभावी रूप से संचालित किया है। महाविद्यालय द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए, नगर निगम पदाधिकारी ने घोषणा की कि अब से कचरा उठाने वाली गाड़ी नियमित रूप से महाविद्यालय परिसर के भीतर आएगी, जिससे कचरा प्रबंधन



प्रिक्रया अधिक व्यवस्थित हो सकेगी।

नगर निगम टीम ने छात्राओं के साथ संवाद कर कचरा प्रबंधन के महत्व एवं विभिन्न खाद निर्माण तकनीकों की विस्तत जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अल्का मित्तल, कचरा प्रबंधन समन्वयिका नीरू चावला, कचरा प्रबंधन समिति के सदस्यगण, सफाई कर्मी एवं माली भी उपस्थित रहे।

नगर निगम टीम ने महाविद्यालय के इस अनुकरणीय प्रयास को आदर्श मॉडल के रूप में प्रस्तुत करने की बात कही और भविष्य में इस पहल को अन्य संस्थानों में भी अपनाने की संभावनाओं पर चर्चा की। कार्यक्रम की जानकारी मीडिया प्रभारी डॉ. गायत्री बंसल द्वारा दी गई।

## शैक्षिक प्रतियोगिताओं में भागीदारी से नवाचार एवं नेटवर्किंग का सृजनः अशोक बुवानीवाला

शैक्षिक प्रतियोगिताओं में भागीदारी विधार्थियों में प्रतिस्पर्धा, आत्मविश्वास एवं कौशल का सृजन होता हैं। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से शैक्षिक उपलब्धियों का मूल्यांकन करने में सहायता मिलती हैं। यह उद्गार बतौर मुख्य अतिथि आदर्श महिला महाविद्याल में आयोजित अन्तः महाविद्यालय प्रतियोगिता 'स्पधा' में महाविद्यालय प्रबधकारिणी समिति महासचिव अशोक बुवानीवाला ने कहें। उन्होनें यह भी कहा कि इस मंच के माध्यम से विधार्थियों को अपने ज्ञान व कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर प्राप्त होता हैं। गौरतलब हैं कि महाविद्यालय में बीसीए विभाग द्वारा प्रश्नोतरी प्रतियोगिता, विज्ञान विभाग द्वारा पीपीटी प्रतियोगिता. हिन्दी. अग्रेजी एवं संस्कृत विभाग द्वारा कविता गायन प्रतियोगिता और समाज विज्ञान सोसाएटी द्वारा वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न जिलों के प्रतिष्ठित महाविद्यालयों ने अपनी टीमों के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता में राजीव गांधी महिला महाविद्यालय (भिवानी), एमएनएस महाविद्यालय (भिवानी), चौधरी बंसीलाल राजकीय महाविद्यालय (तोशाम), वैश्य



महाविद्यालय (भिवानी), के.एम कॉलेज (भिवानी), सनातन धर्म महाविद्यालय (हांसी) एवं पंडित सीताराम महाविद्यालय (भिवानी) सहित कई महाविद्यालयों ने अपनी प्रतिभागिता सुनिश्चित की। निर्णायक मंडल की भिमका हिंदी कविता गायन प्रतियोगिता में डॉ. इंदु शर्मा, अंग्रेजी कविता गायन प्रतियोगिता में डॉ. रणधीर सिंह, संस्कृत कविता गायन प्रतियोगिता में आचार्य बुज लाल शास्त्री डिक्लेमेशन प्रतियोगिता में डॉ. जगबीर मलिक एवं नीटा चावला, पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन भौतिक एवं रसायन प्रतियोगिता में डॉ. अनिल कुमार एवं डॉ. संचिता, बॉटनी में डॉ. वेद प्रकाश, जीव विज्ञान में डॉ. कौशल संघी, गणित में अमित कुमार, कम्प्यूटर सांइस में ज्योति चौधरी ने निभाई। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. अलका मित्तल ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होनें प्रतियोगिता को प्रेरणादायक बताते हुए विद्यार्थियों को ऐसे आयोजनों में बढ-चढकर हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

स्वयंसेवी विजय किशन अग्रवाल ने सभी प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना करते हए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं न केवल छात्रों के आत्मविश्वास को बढ़ाती हैं, बल्कि उनकी प्रतिभा को निखारने में भी सहायक होती हैं। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को सम्मानित किया गया और सभी प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी गई। इस परिणाल **इस प्रकार रहा** → प्रश्नोतरी में प्रथम स्थान वैश्य महाविद्यालय, द्वितीय

स्थान व तृतीय स्थान आदर्श महिला महाविद्यालय रहा। ■फिजिक्स पी.पी.टी में प्रथम स्थान आदर्श महिला महाविद्यालय, द्वितीय स्थान आदर्श महिला महाविद्यालय, तृतीय स्थान एम.एन.एस कॉलेज रहा।

**■**केमिस्ट्री पी.पी.टी में प्रथम स्थान आदर्श महिला महाविद्यालय, द्वितीय स्थान आदर्श महिला महाविद्यालय, तृतीय स्थान एम.एन.एस कॉलेज रहा।

■बॉटनी पी.पी.टी में प्रथम स्थान आदर्श महिला महाविद्यालय, द्वितीय स्थान एम.एन.एस कॉलेज, तृतीय स्थान आदर्श महिला महाविद्यालय रहा।

 जूलॉर्जी पी.पी.टी में प्रथम स्थान आदर्श महिला महाविद्यालय, द्वितीय स्थान आदर्श महिला महाविद्यालय, तृतीय स्थान वैश्य कॉलेज रहा।

■गणित पी.पी.टी में प्रथम स्थान आदर्श महिला महाविद्यालय, द्वितीय स्थान आदर्श महिला महाविद्यालय, तृतीय स्थान राजीव गांधी महिला महाविद्यालय रहा।

➡कम्प्यूटर साइंस पी.पी.टी में प्रथम स्थान एम.एन.एस महाविद्यालय, द्वितीय स्थान आदर्श

महिला महाविद्यालय, तृतीय स्थान आदर्श महिला महाविद्यालय रहा। ■डिक्लेमेशन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पंडित सीताराम महाविद्यालय, द्वितीय स्थान राजीव गाँधी महिला महाविद्यालय, तृतीय स्थान आदर्श महिला महाविद्यालय रहा।

▶िहन्दी कविता में प्रथम स्थान आदर्श मिहला महाविद्यालय, द्वितीय स्थान आदर्श मिहला महाविद्यालय, तृतीय स्थान वैश्य महाविद्यालय रहा।

**∍**अग्रेजी कविता पाठ में प्रथम स्थान एमएनएस महाविद्यालय, द्वितीय स्थान के.एम कॉलेज, तृतीय स्थान आदर्श महिला महाविद्यालय रहा।

 संस्कृत कविता पाठ प्रथम स्थान आदर्श महिला महाविद्यालय, द्वितीय स्थान वैश्य महाविद्यालय, तृतीय स्थान आदर्श महिला महाविद्यालय रहा।

उपस्थित रहें। कार्यक्रम संयोजिका डॉ. अपर्णा डॉ. गायत्री बंसल द्वारा दी गई।

अवसर पर प्रबंधकाारिणी समिति सदस्य प्रीतम 🛮 बतरा, डॉ रिकु अग्रवाल व डॉ. निशा शर्मा रही। अग्रवाल, नन्द किशोर अग्रवाल विशेषतौर पर इस कार्यक्रम की जानकारी मीडिया प्रभारी







#### ANUPMA YATRA

#### ( Women Empowerment )



## अनुपमा यात्रा

## The New Draupadi: A Feminist Icon in The Palace of Illusions

In The Palace of Illusions, Chitra Banerjee Divakaruni reimagines Draupadi (Panchali) as a woman ahead of her time—bold, intelligent, passionate, and deeply flawed. Unlike the traditional Mahabharata, where she is often seen as a cause of war or a victim of fate, this Draupadi is self-aware, rebellious, and questions the patriarchal world around her

#### A Voice of Her Own

Unlike the silent, suffering Draupadi of the epic, Divakaruni's Draupadi speaks her mind, questions injustice, and challenges destiny. She refuses to be just a wife, daughter, or queen—she wants agency over her life. Her inner monologues and reflections make her a deeply relatable and human character.

- "I was more than just a wife shared by five men. I was a woman with desires, ambitions, and a mind of my own."

Love, Desire, and Unfulfilled Longing
One of the most striking aspects of this
Draupadi is her secret love for Karna. While
in the original epic, there are only subtle
hints of this connection, The Palace of
Illusions explores it deeply. Draupadi's
longing for Karna, despite being married to
the Pandavas, adds layers to her character,
making her more complex and emotionally



zulnerable.

- She regrets not choosing Karna in her Swayamvara, wondering how different her fate might have been.

- This forbidden love makes her more human, more flawed, and yet more powerful in her emotions.

#### Not Just a Victim of Fate

Draupadi is often remembered for her humiliation in the Kaurava court, where Dushasana tries to disrobe her. While the epic paints her as a helpless victim, Divakaruni's Draupadi rages against her fate. She vows revenge, fuels the Pandavas' anger, and actively plays a role in shaping the war.

→ She doesn't just wait for Krishna's help; she fights back with words, curses, and intelligence.

→ She sees herself as a catalyst of war, not just its victim.

#### Strength and Vulnerability

Draupadi is fierce, yet she is also deeply lonely. She never fully belongs to any one man—she is shared, but never fully loved.

She resents her marriage arrangement and the lack of emotional intimacy with

→ Her friendship with Krishna becomes her only true emotional refuge.

A Modern, Feminist Draupadi
Divakaruni's Draupadi is not just a character; she is a voice for every woman who has been silenced, wronged, or told her desires don't matter. She is flawed yet fierce, vulnerable yet strong, and most importantly, she refuses to be defined by the men in her life. This new Draupadi is not just a queen or a wife—she is a warrior of the mind, a dreamer, and a woman who dares to rewrite her own destiny.

#### The Bangle Sellers By Sarojini Naidu

Bangle sellers are we who bear Our shining loads to the temple fair... Who will buy these delicate, bright Rainbow-tinted circles of light?

> Lustrous tokens of radiant lives, For happy daughters and happy wives.

Some are meet for a maiden's wrist, Silver and blue as the mountain mist, Some are flushed like the buds that dream

On the tranquil brow of a woodland stream,

Some are aglow with the bloom that cleaves

To the limpid glory of new-born leaves.

Some are like fields of sunlit corn, Meet for a bride on her bridal morn, Some, like the flame of her marriage fire, Or, rich with the hue of her heart's desire, Tinkling, luminous, tender, and clear, Like her bridal laughter and bridal tear.

Some are purple and gold-flecked grey
For she who has journeyed through life midway,
Whose hands have cherished, whose love has blest,
And cradled fair sons on her faithful breast,
Who serves her household in fruitful pride,
And worships the gods at her husband's side.

#### क्या करें क्या न करें

1. आप वादे तो बड़े करती हैं, लेकिन उन्हें पूरा करने में उतनी तत्परता नहीं दिखातीं। आपके इरादे नेक होते हैं, लेकिन जब आप कहती हैं मैं यह कर दूंगी और नहीं कर पातीं, तो लोगों का आपसे भरोसा उठ जाता हैं।

यह करें: >> बहुत ज्यादा वादे मत कीजिए।

>> जो वादा किया है, उसे पूरा करिए। >> नजीजे बहानों से ज्यादा साफ दिखाई देते हैं।

2. मैं सब जानती हूं वाला रवैया। आप समझदार हैं और काम करने में तत्पर भी, लेकिन फिर भी जैसे ही कुछ नया सीखने की प्रिक्रिया को अपने सब जानने के दरवाजे से बंद कर देती हैं आप लोगों का ध्यान खोने लगती हैं।



यह करें: -लोगों से बात कीजिए। दिलचस्पी बनाए रखिए। >> समझदार लोग यह जानते हैं कि सबकुछ नहीं जाना जा सकता।

#### स्वयं साधे सब सधे चुप्पी

क्रोध के क्षणों में: गुस्से में हमारा खून खौल रहा होता हैं, शब्द बस मुंह से बाहर निकलने को मचलते रहते हैं, ऐसे में हम

दिमाग की नहीं सुनते, कुछ भी देते हैं लेकिन गुस्से में कही गई बातों पर अकसर गुस्सा उतरने के बाद पछतावा होता हैं। थोड़ा रूककर अपनी प्रतिक्रिया दें। चितन का समय मिलेगा।

जब कोई व्यथा सुनाए: क्योंकि, जरूरी नहीं हर बार कोई व्यक्ति आपको अपनी व्यथा इसिलए सुना रहा हैं, क्योंकि उसे आपसे कोई सलाह चाहिए। कई बार आपकी मौन उपस्थिति उन्हें अविश्वसनीय रूप से आराम और सहायता प्रदान कर सकती हैं। आपका खामोशी से सुनना उन्हें सुकून और भरोसा देगा।

बहस के अंदेशे में: अपनों से बहस में जीतने का मतलब है, रिश्तों में हारना। अपनी बात को सही साबित करने के लिए कई उदाहरण सामने लाए जाते हैं, जो रिश्तों में दूरी/खटास का कारण बनते हैं। चुप रहकर सामने वाले को सोचने पर मजबूर भी कर दीजिए।

जब कोई अपमान करें: बेइज्जती करने वाला चाहता हैं कि आप उसकी बातों पर प्रतिक्रिया दें। कई बार लोग बिना बात अपमान करने में अपनी शान समझते हैं। आप कोई प्रतिक्रिया देंगी तो बात बढ़ती जाएगी और भावनात्मक रूप से आपको थका देगी। मौन से शक्तिशाली जवाब और कछ नहीं हो सकता। उसकी शान मत बढाइए।

जब पूरी बात पता न हो: कहानी का एक हिस्सा सुनकर अपनी राय बना लेना या प्रतिक्रिया देना, सही नहीं हैं। जिस विषय का सिर-पैर भी पता नहीं होता, उस पर देखा-देखी राय देना उचित नहीं हैं। अधूरा सच कई बार झूठ से भी बुरा होता हैं।

#### From Sarojini Naidu to Global Voices: Bridging National and International Women's Day

Women's voices have echoed through history—sometimes as whispers, sometimes as roars. From national heroes who shaped their countries to global movements demanding change, their stories weave together into a larger tapestry of resilience, courage, and transformation. India's National Women's Day (February 13) and International Women's Day (March 8) may be separate occasions, but their essence is the same—the celebration of women and the pursuit of equality.

February 13: Honoring Sarojini Naidu, India's Nightingale

India's National Women's Day is celebrated on February 13, the birth anniversary of Sarojini Naidu—a poet, freedom fighter, and a symbol of women's empowerment. She was not just a leader but a woman who shattered barriers:

->> First Indian woman to become the President of the Indian National Congress.

Congress.First woman Governor of independent India.

A fearless activist in the fight for India's freedom. Sarojini Naidu's life reminds us that the struggle for equality begins at home, in our societies, and in the corridors of power. She fought not just for India's independence but also for women's right to vote, work, and lead—a fight that still continues in many parts of the

#### March 8: A Global Movement for Change

While India celebrates one woman's legacy in February, March 8 marks International Women's Day (IWD)—a day that belongs to all

women across the world. Rooted in labor movements of the early 1900s, IWD evolved into a day of global solidarity, activism, and recognition of women's contributions.

#### Common Struggles, Shared

Aspirations What connects India's National Women's Day to International Women's Day is the universal fight for gender equali-Whether it's Naidu's Šarojini demand for political representation modern-day campaigns like #MeToo and Equal Pay, the struggle

is far from over.
->>Equal Rights: Women still face discrimination in workplaces, poli-

for many.

tics, and society.

->>Education and Employment:
Access to education and economic opportunities remains a challenge

->> Safety and Justice: Gender-based violence continues to be a global crisis.

#### Bridging the Two Days: From National to Global Action

While February 13 reminds us of India's homegrown heroes, March 8 expands the narrative to a worldwide scale. Women's achievements cannot be confined to one day, one country, or one movement—they are interconnected

.How Can We Celebrate Both?

Women Leaders: Celebrate Indian icons like Sarojini Naidu, Kalpana Chawla, Indira Gandhi, and Kiran Bedi, while also acknowledging international figures like Malala Yousafzai, Angela Merkel, and Ruth Bader Ginsburg.

1. Recognize Local and Global

2. Amplify Voices: Support both grassroots movements in India and international campaigns for gender equality.
3. Encourage Young Girls: Whether in India or abroad, the next generation of women leaders must be nurtured through education, mentorship, and

opportunities.
4. Break Barriers

Together: Whether it's closing the gender pay gap, ensuring safety for women, or challenging stereotypes, the fight is global.

#### Conclusion: One Fight, One Future

Sarojini Naidu dreamt of an India where women were free. International Women's Day dreams of a world where all women are equal. The two days may be marked on different calendars, but their message is the same:

Empowered women create empowered nations. Empowered nations create an empowered world. As we celebrate February 13 and March 8, let's remember that the real celebration happens when we uplift women—not just for a day, but every single day.

## धूमधाम से मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

आदर्श महिला महाविद्यालय में महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. अलका मित्तल के दिशा निर्देशन में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के ''कानून सजगता प्रकोष्ठ'' और ''महिला प्रकोष्ठ नवज्योति'' के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता महाविद्यालय की उप-प्राचार्या डॉ. अपर्णा बत्रा रही। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर थीम दी गई ''सभी महिलाओं और लड़िकयों के लिए अधिकार, समानता और सशक्तिकरण'' जो आज के वक्तव्य का मुख्य विषय रहा। डॉ. अपर्णा बत्रा ने कहा की भारतीय परपंरा सदैव महिलाओं की एकता और सशक्तिकरण का जीवतं उदाहरण रही है। उन्होंने इतिहास को



सशक्त बनाने वाली रानी अबक्का देवी, रानी दुर्गावती, रानी चैन्ना भैरवी देवी, बेगम हजरत महल जैसी स्त्रियों के उदाहरणों से प्रस्तुत करते हुए अपना वक्तव्य वर्तमान तक जोड़ा।

उन्होंने कहा कि राष्ट्र और समाज को सशक्त बनाने से पहले महिलाओं को स्वयं बौद्धिक, शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से सशक्त बनना पड़ेगा। आर्थिक स्वावलंबन महिला सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी है। उन्होंने वर्तमान नारी को घर और व्यवसाय में संतुलन बनाकर चलने को कहा। इस अवसर पर महाविद्यालय से डॉ. रिंकू



अग्रवाल प्रवक्ता अंग्रेजी विभाग ने महिला सशक्तिकरण पर एक भावनात्मक कविता की प्रस्तुति दी।

सभी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए मचं सचांलन महिला प्रकोष्ठ संयोजिका डॉ. ममता चौधरी ने किया। इस अवसर पर कानून साक्षरता प्रकोष्ठ संयोजिका डॉ. अंजू रानी, सह-संयोजिका डॉ. दिप्ती, प्राध्यापिका वर्ग नीरू चावला, डॉ. अमिता गाबा, डॉ. निशा शर्मा सहित 20 प्राध्यापिका वर्ग एवं 90 छात्राएं उपस्थित रही।









## महाविद्यालय में शैक्षिक यात्रा का आयोजन



आदर्श महिला महाविद्यालय के हेरिटेज इतिहास, संस्कृति, साहित्य और क्लब और यूजी एवं पीजी विभाग द्वारा 6 फरवरी को एक शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा में 48 विद्यार्थियों ने भाग लिया और राष्ट्रपति भवन के अमृत उद्यान, विश्व पुस्तक मेले और बंगला साहिब गुरुद्वारा का भ्रमण किया।

प्रधानाचार्या डॉ. अलका मित्तल के मार्गदर्शन में आयोजित इस यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों को ज्ञानवर्धक अनुभव प्रदान करना और उन्हें

आध्यात्मिकता के प्रति नई दृष्टि से सोचने की प्रेरणा देना था। विद्यार्थियों ने अमृत उद्यान में विभिन्न दुर्लभ एवं रंग-बिरंगे पुष्पों की प्रजातियाँ देखीं और बागवानी से जुड़ी रोचक जानकारियाँ प्राप्त कीं। विश्व पुस्तक मेले में उन्होंने विभिन्न विषयों की नवीनतम पुस्तकों, शोध पत्रों एवं साहित्यिक कृतियों से अवगत होने का अवसर मिला। बंगला साहिब गुरुद्वारा में उन्होंने गुरुद्वारे की ऐतिहासिक एवं

धार्मिक महत्ता को समझा।

## सूर्य नमस्कार प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन



आदर्श महिला महाविद्यालय में हरियाणा योग आयोग के तत्वावधान में 'हर घर परिवार सर्य नमस्कार' अभियान के तहत सुर्य नमस्कार प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 3 से 8 फरवरी 2025 तक चला और इसमें शारीरिक शिक्षा व खेलकूद विभाग और राष्ट्रीय सेवा योजना ने सहयोग किया। कार्यक्रम के समापन पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अलका मित्तल ने बच्चों

को सूर्य नमस्कार के लाभों और इसे अपनी नियमित दिनचर्या का हिस्सा बनाने के बारे में बताया।

इस अवसर पर कार्यक्रम की कॉर्डिनेटर डॉ. रेनू, डॉ दीपू सैनी, डॉ. नूतन शर्मा, नेहा, डॉ. मोनिका सैनी, योग प्रशिक्षक निशा उपस्थित रहे।

इस कार्यऋम का उद्देश्य छात्रों को सूर्य नमस्कार के महत्व और इसके अभ्यास के तरीके के बारे में जानकारी देना था।

#### अर्थशास्त्र विभाग द्वारा पेपर प्रस्तुति प्रतियोगिता का आयोजन

अर्थशास्त्र विभाग द्वारा प्राचार्या डॉ. अलका मित्तल के दिशा निर्देशन में एक पेपर प्रस्तुति प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 15 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया और अर्थशास्त्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर अपनी जानकारियों को प्रस्तृत किया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को

अर्थशास्त्र से संबंधित विषयों पर अनुसंधान व शोध के लिए प्रेरित करना तथा उनके ज्ञान में वृद्धि करना था। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सुगेश, द्वितीय स्थान उमंग और तृतीय स्थान प्रेरणा ने हासिल किया। प्राचार्या डॉ. अलका मित्तल ने बच्चों का उत्साह वर्धन किया और भविष्य में भी ऐसी प्रतियोगिताओं में



विद्यार्थियों को हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

#### **Inter-College** Competition 'Rangotsav'







Aadarsh Mahila Mahavidyalaya participated in the Inter-College Competition 'Rangotsav' and secured impressive positions in various events.

The results are as follows:-Best out of Waste: 2nd Prize

- Poster Making: 1st Prize
- Rangoli: 3rd Prize
- Games Stalls: 2nd Prize
- Cooking without Fire: 3rd PrizeThe college congratulates its students on their outstanding performance and wishes them continued success in their future endeavors.

## Mahavidyalaya Excels at गैर शिक्षक वर्ग के मध्य हुआ रोमांचक क्रिकेट मैच



महाविद्यालय में गैर शिक्षक वर्ग के मध्य एक रोमांचक 10 ओवर का ऋिकेट मैच आयोजित किया गया। इस मैच में पहली टीम ने 99 रन की पारी खेलते हुए दूसरी टीम के लिए 100 रनों का लक्ष्य निर्धारित किया। दूसरी टीम ने इस चुनौतीपूर्ण लक्ष्य को हासिल करते हुए 100 रन बनाकर विजय हासिल की। इस मैच में दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने अपनी उत्कृष्ट क्षमता का प्रदर्शन किया। इस आयोजन का उद्देश्य महाविद्यालय के गैर शिक्षक वर्ग के मध्य एकता और टीम भावना को बढ़ावा देना था। यह आयोजन महाविद्यालय की खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम रहा। इस प्रतियोगिता का आयोजन शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विभाग द्वारा किया गया।

#### 'साइबर क्राइम' पर जागरूकता व्याख्यान



जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भिवानी के निर्देशानुसार आदर्श महिला महाविद्यालय के कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ द्वारा 'इंटरनेट सुरक्षा दिवस' पर 'साइबर ऋाइम' विषय पर जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया गया। प्राचार्या डॉ. अलका मित्तल ने छात्राओं को साइबर अपराध से बचने व सतर्क रहने की सलाह दी। मुख्य वक्ता डॉ. दीपू सैनी (सहायक प्रोफेसर, कंप्यूटर

साइंस) ने पीपीटी के माध्यम से साइबर अपराध की गंभीरता व उससे बचाव के उपाय बताए। उन्होंने 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर के उपयोग की जानकारी दी। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. अंजू रानी व सह-संयोजिका डॉ. दीप्ति, डॉ. ममता चौधरी को सफलता के लिए बधाई दी गई। कार्यऋम में 12 स्टाफ सदस्य व 60 छात्राएं उपस्थित रहीं।

# उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन

महाविद्यालय में अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ तथा उद्यमिता प्रकोष्ठ के तहत 'उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। इसे एमएसएमई टेक्नोलॉजी सेंटर, रोहतक ने संचालित किया। जहां छात्राओं को उद्यमिता और स्टार्टअप से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। विशेषज्ञों ने व्यवसाय शुरू करने की प्रक्रिया, वित्तीय सहायता, मार्केटिंग रणनीतियों और सरकारी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने विचार प्रस्तृत किए।

## छात्र विनय ने राज्य स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्राप्त किया तृतीय स्थान

विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य पर माता सुंदरी खालसा गर्ल कॉलेज निसिंग (करनाल)द्वारा ऑनलाइन राज्य स्तरीय नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में आदर्श महिला महाविद्यालय की बी. ए. द्वितीय वर्ष कि छात्रा विनय ने तृतीय स्थान प्राप्त करते हुए नकद पुरस्कार और प्रमाणपत्र प्राप्त करमहाविद्यालय को गौरवांवित किया। छात्रा की इस उपलब्धि पर प्राचार्या डॉ अलका मित्तल ने विजेता छात्रा और हिंदी विभाग को बधाई दी।

#### Mahavidyalaya Celebrates National Science Day



To commemorate National Science Day our college organized a screening of the movie Mission Mangal. Principal Dr. Alka Mittal inspired students to pursue careers in space and sciences.

BSc 1st-year students Stuti and Kriti recited poems, adding to the enthusiasm. The event motivated students to adopt teamwork and determination fostering a spirit of research and innovation.

#### Green Club Organizes Extension Lecture on "Gender **Equality Today for a Sustainable Tomorrow**"

On the occasion of International Women's Day, the Green Club organized an extension lecture on 8th March 2025 to commemorate the theme "Gender Equality Today for a Sustainable Tomorrow." The event featured an insightful and engaging lecture by Ms. Minakshi (Assistant Professor, Department of Chemistry), which was highly appreciated by the audience. The session witnessed enthusiastic participation from students and faculty members and was conducted under the esteemed guidance of Principal, Dr. Alka Mittal. Dr. Aparna Batra (Vice Principal) emphasized the importance of a sustainable planet and highlighted the significant role of women in environmental protection since ancient times. She also encouraged students to create awareness within their homes and communities about the importance of gender equality in environmental conservation.Dr. Suman (Coordinator, Green Club) addressed the gathering, stressing



the need for environmental conservation. She underlined the crucial role of sustainable practices in preventing severe health risks and ensuring the survival of life on Earth.The presence of Dr. Rinku Aggarwal, Ms. Jonika (Convenor, Green Club), Ms. Simran, Dr. Mahima, Ms. Tanya, and several other faculty members further enriched the event, making it a memorable and impactful experience for all attendees. The Green Club remains committed to promoting sustainability and gender equality as integral aspects of a healthier and more sustainable future.

#### **Educational Trip to Network Bulls Private Limited**

Mahavidyalaya organized an educational trip for its BCA students to Network Bulls Private Limited, Gurgaon, under the guidance of Dr. Deepu Saini, Assistant Professor of Computer Science. The trip aimed to provide students with practical industry exposure, helping them understand the latest trends, technologies, and professional work culture in the IT sector. During the visit, students interacted with industry experts, gained insights into real-time networking concepts, and explored career opportunities



in the field of Information Technology. The college expresses its gratitude to Network Bulls Private Limited for supporting this initiative. The trip is part of the college's efforts to bridge the gap between academic learning and industry requirements. The day concluded

with a visit to Rangmanch Farm, where students participated in various adventure activities like zip lining, rappelling, and rock climbing. This trip provided a unique opportunity for students to learn beyond the classroom and gain hands-on experience in the IT industry.

#### Mahavidyalaya Secures 2nd Position in State-Level **Interdisciplinary Science PowerPoint Symposium**



Under the aegis of the Directorate General of Higher Education (DGHE), Haryana, BLJS College, Tosham (Haryana), organized a State-Level Interdisciplinary Science PowerPoint Symposium on February 28th, 2025, to commemorate National Science Day. Our college team participated in the competition, presenting on the theme "Space

Exploration & Technology". This platform provided a valuable opportunity for students to showcase their innovative ideas, exchange knowledge, and compete with peers.

Out of the 9 participating teams, our college team secured the 2nd position, a testament to their hard work and dedication. We congratulate our team on this achievement!"

#### **Enhances Employability Skills of** Students with Computer Basics Course.



under the aegis of its Skill Development Cell and the guidance of Principal Dr. Alka Mittal, successfully conducted a six-month short-term course, "Basics of Computer", from September 1, 2024, to February 28, 2025.A total of 97 students enrolled in the course and completed it successfully. Upon completion, the students underwent written and practical examinations, and successful candidates were awarded certificates.

#### "Congratulations Ayushi



"Congratulations to Ayushi, our talented student, on securing 3rd place in the Inter-College Essay Writing Competition! Your achievement has brought glory to our institution!"

#### Mahavidyalaya Excels at District-**Level Science Exhibition**



Mahavidyalaya participated in the District-Level Science Exhibition organized by MNS Government College, Bhiwani, under the S.N.E 2024-2025 Scheme. Six teams from our college represented various science departments, showcasing innovative models and projects.

Our students demonstrated exceptional dedication, perseverance, and teamwork, securing top positions in the exhibition. The Psychology Department model won 1st position, while the Botany Department model secured 2nd position, and the Chemistry Department model secured 3rd position.

All participants received certificates, and the winners were awarded cash prizes. This achievement reflects the college's commitment to fostering scientific inquiry, innovation, and excellence.

We congratulate our students and faculty members on this outstanding achievement and look forward to future successes.

## छात्राओं ने राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में दिखाया उत्कृष्ट प्रदर्शन

आदर्श महिला महाविद्यालय की छात्राओं ने राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महाविद्यालय और प्रदेश का नाम रोशन किया। नॉर्थ इंडिया जुनियर पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में महाविद्यालय की छात्रा रचना ने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस प्रतियोगिता में 300 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया।जिसमें उन्होंने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया।

इसी ऋम में 11वीं नेशनल आई स्टॉक भावना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य लिए भी किया गया है। जो उनके करियर नाम रोशन कर रही हैं।



के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

इस शानदार उपलब्धि पर महाविद्यालय की प्रबंधक समिति व प्राचार्या ने छात्राओं को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर चैंपियनशिप में महाविद्यालय की छात्रा महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. अलका मित्तल ने कहा कि सिर्फ शिक्षा ही नहीं बल्कि पदक अर्जित किया। भावना के उत्कृष्ट खेल भी जीवन में आगे बढ़ने का सशक्त प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन माध्यम है। हरियाणा की बेटियां खेलों में आगामी 'खेलो इंडिया' प्रतियोगिता के शानदार प्रदर्शन कर देश और प्रदेश का

#### दो दिवसीय 'कुकिंग विदाउट फायर' कार्यशाला का किया आयोजन

गृह विज्ञान विभाग एवं हॉबी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में 20 एवं 21 फरवरी को दो दिवसीय 'कुकिंग विदाउट फायर' कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य छात्राओं को बिना आग के स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजन बनाने की कला सिखाना था। फायरलेस कुकिंग के अंतर्गत मैरीनेटिंग, क्योरिंग, अचार बनाना, फरमेंटिंग आदि जैसी तकनीकों का उपयोग कर स्वादिष्ट व्यंजन तैयार किए जा सकते हैं। यह कार्यशाला छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने, उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा देने और नई पाक-कला विधियों से परिचित कराने के लिए आयोजित की गई थी।

इस कार्यशाला में 200 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। छात्राओं ने रोजी डिलाइट, ककड़ी बोट, ऑरेंज बियर, फूट कस्टर्ड, भेल पूरी, मिंट लेमोनेड, मोजिटो, सैंडविच लॉलीपॉॅंप, फूट पॉप्सिकल्स, स्प्राउटेड चाट, सैंडविच सिहत कई स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक व्यंजन तैयार किए।

कार्यशाला के समापन समारोह में महाविद्यालय प्रबन्धकारिणी समिति महासचिव अशोक बुवानीवाला ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यशाला उनके आत्मनिर्भर बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने छात्राओं को ब्लॉगिंग, वीडियो कंटेंट निर्माण



जैसी आधुनिक तकनीकों के माध्यम से अपने हुनर को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया । कार्यशाला का समापन प्रधानाचार्या डॉ. अलका मित्तल के प्रेरणादायक शब्दों के साथ हआ, जिन्होंने छात्राओं को रचनात्मकता एवं नवाचार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। इस कार्यशाला ने न केवल छात्राओं को पाक-कला में निपुण बनाया, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाया। इस सफल आयोजन के लिए गृह विज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. सुनंदा एवं डॉ. शालिनी सहित पूरी टीम की सराहना की।

#### सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

आदर्श महिला महाविद्यालय में प्राचार्या डॉ. अलका मित्तल के कुशल निर्देशन में सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 670 छात्राओं ने पंजीकरण कराया। जिससे उनकी आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को सशक्त बनाने का उद्देश्य पूरा हुआ।

प्रतियोगिता में तर्कशक्ति, गणित, धर्म एवं सामान्य ज्ञान से जुड़े वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे गए। जिनका उद्देश्य छात्राओं की तार्किक व विश्लेषणात्मक क्षमता को बढ़ावा देना था। प्रतियोगिता के दौरान छात्राओं ने अत्यधिक उत्साह और आत्मविश्वास के साथ भाग लिया।

प्रतियोगिता के बाद छात्राओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस प्रकार के आयोजन उनके लिए अत्यंत लाभकारी हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता से न केवल उनका



आत्मविश्वास बढ़ा, बल्कि उन्हें यह भी समझने का अवसर मिला कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कैसे करनी चाहिए।

इस अवसर पर प्राचार्या डॉ. अलका मित्तल ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं छात्राओं की बौद्धिक क्षमता को विकसित करने और उनके ज्ञान को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए इस प्रकार की पहल बेहद आवश्यक है।जिससे छात्राओं को वास्तविक परीक्षा का अनुभव मिल सके। प्रतियोगिता का आयोजन संयोजिका डॉ. ममता वाधवा एवं समन्वयक बबीता चौधरी ने किया।

#### "बाजारीकरण के दौर में संत साहित्य की व्यावहारिक उपयोगिता" विषय पर व्याख्यान आयोजित

भिवानी। आदर्श महिला महाविद्यालय में प्राचार्या डॉ. अलका मित्तल के दिशा निर्देशन में अखिल भारतीय श्री दादू सेवक समाज के संयुक्त तत्वावधान में ''बाजारीकरण के दौर में संत साहित्य की व्यावहारिक उपयोगिता'' विषय पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. राधाकृष्ण चंदेल, पूर्व अध्यक्ष, हिंदी विभाग, वैश्य महाविद्यालय, भिवानी रहे। उन्होंने विषय पर गंभीरता से प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संतों की शिक्षाएँ सार्वकालिक हैं और हर युग में प्रासंगिक बनी रहती हैं। वर्तमान समय की चुनौतियों के संदर्भ में कबीर, नानक, दादू और रैदास की जीवन शिक्षाएँ अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने संत साहित्य के विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से छात्राओं को जाति, धर्म एवं सामाजिक विषमताओं से दूर रहकर संतों की शिक्षाओं



को आत्मसात करने का संदेश दिया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अलका मित्तल ने इस अवसर पर शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए संत साहित्य की प्रासंगिकता पर बल दिया हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. रमाकांत शर्मा ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि बाजारवाद को समझते हुए संतों द्वारा दी गई साधना, संयम, समय प्रबंधन एवं नैतिकता से जुड़ी शिक्षाओं को अपनाना आवश्यक है। कार्यक्रम में हिंदी विभाग की प्रवक्ता डॉ. ममता चौधरी, कविता भारद्वाज, कविता नंदा सहित महाविद्यालय की अनेक छात्राएं उपस्थित रहीं।







## नैतिकता और शिक्षाः नैतिक विकास और जिम्मेदारी

नैतिकता और शिक्षा एक-दुसरे के पुरक हैं। शिक्षा केवल ज्ञान अर्जित करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह नैतिक मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और व्यक्तित्व विकास का भी साधन है। यदि शिक्षा नैतिकता के बिना हो, तो समाज में पतन, भ्रष्टाचार अनुशासनहीनता बढ़ सकती है।

नैतिकता का अर्थ और महत्व नैतिकता का अर्थ सही और गलत के बीच अंतर समझने और सही कार्य करने की प्रवृत्ति से है। यह व्यक्ति के आचरण, व्यवहार और निर्णयों को प्रभावित करती है। नैतिक मूल्यों में सत्य, अहिंसा, ईमानदारी, सहानुभूति, कर्तव्यपरायणता, सामाजिक उत्तरदायित्व शामिल हैं। यदि किसी समाज में नैतिकता की नींव मजबूत हो, तो वहाँ शांति, सद्भाव और प्रगति संभव होती है।

शिक्षा का नैतिकता से संबंध शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान देने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह नैतिक शिक्षा का भी माध्यम होनी चाहिए। प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली में नैतिकता को बहुत महत्त्व दिया जाता था। गुरु-शिष्य परंपरा में शिक्षा के साथ-साथ नैतिकता, संस्कार और अनुशासन पर भी जोर दिया जाता था। वर्तमान समय में भी नैतिक शिक्षा को पाठ्यऋम का अनिवार्य हिस्सा बनाना चाहिए, ताकि छात्र केवल बुद्धिमान ही नहीं, बल्कि अच्छे नागरिक भी बन सकें।

विद्यालयों में नैतिक शिक्षा की आवश्यकता

आजकल कई देश शिक्षा प्रणाली में



नैतिक शिक्षा को शामिल कर रहे हैं। भारत में भी नैतिक शिक्षा को स्कूलों में अनिवार्य किया जाना चाहिए। विद्यालयों में नैतिकता सिखाने से बच्चे समाज में अच्छे आचरण को अपनाते हैं। शिक्षक अपने व्यवहार और आचरण से विद्यार्थियों को नैतिकता का पाठ पढ़ा सकते हैं। इसके लिए नैतिक कहानियाँ, चर्चाएँ, नैतिक दुविधाओं पर चर्चा और सामाजिक गतिविधियों को पाठ्यऋम में शामिल किया जाना चाहिए।

समाज में नैतिकता और शिक्षा का प्रभाव

नैतिकता और शिक्षा का सही तालमेल समाज को आदर्श बनाता है। यदि लोग शिक्षित तो हों, लेकिन उनके पास नैतिकता न हो, तो वे अपने ज्ञान का दुरुपयोग कर सकते हैं। भ्रष्टाचार, अपराध, बेईमानी और अनैतिक आचरण तब बढ़ते हैं जब शिक्षा से नैतिकता गायब हो जाती है। दूसरी ओर, यदि शिक्षा के साथ नैतिकता को जोड़ा जाए, तो समाज में सद्भाव, अनुशासन और सामाजिक विकास संभव होता है।

माता-पिता और समाज की भूमिका माता-पिता बच्चों में नैतिकता विकसित करने में सबसे बड़ी भिमका निभाते हैं। बच्चों को घर में ही अच्छे संस्कार और नैतिक मूल्यों का ज्ञान दिया जाना चाहिए। माता-पिता को अपने आचरण से बच्चों को प्रेरित करना चाहिए। इसके अलावा, समाज को भी नैतिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार में योगदान देना चाहिए। धर्म, संस्कृति, परंपराएँ और सामाजिक गतिविधियां नैतिकता को मजबूत करने में सहायक हो सकती हैं। नैतिकता और शिक्षा का आपस में गहरा संबंध है। केवल डिग्री प्राप्त कर लेना ही शिक्षा नहीं है, बल्कि अच्छे संस्कार और नैतिकता के साथ शिक्षा प्राप्त करना ही सही मायने में शिक्षित होना है। यदि शिक्षा के साथ नैतिकता को भी बढावा दिया जाए, तो एक आदर्श समाज की स्थापना की जा सकती है, जहाँ लोग न केवल बुद्धिमान होंगे, बल्कि अच्छे इंसान भी बनेंगे।

#### गुरुकुल शिखा प्रणालीः एक आदर्श शिक्षा प्रणाली

प्राचीन भारत में शिक्षा का एक अत्यंत प्रभावशाली और नैतिक मूल्यों पर आधारित स्वरूप था - गुरुकुल प्रणाली। यह प्रणाली केवल विद्या प्राप्त करने तक सीमित नहीं थी. बल्कि इसमें विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर बल दिया जाता था। वर्तमान शिक्षा प्रणाली में नैतिक मूल्यों और व्यावहारिक ज्ञान की कमी को देखते हुए, गुरुकुल प्रणाली की उपयोगिता और महत्व फिर से उजागर हो रहे हैं।

गुरुकुल प्रणाली का स्वरूप गुरुकुल एक ऐसी शिक्षा प्रणाली थी, जहाँ विद्यार्थी अपने गुरु के आश्रम में रहकर शिक्षा प्राप्त करते थे। यहाँ शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं थी, बल्कि जीवन जीने की कला, नैतिकता, अनुशासन और आत्मनिर्भरता पर भी जोर दिया जाता

गुरुकुल में विद्यार्थी को निशुल्क शिक्षा दी जाती थी। वे गुरु के सान्निध्य में रहकर वेद, उपनिषद, योग, आयुर्वेद, युद्धकला, दर्शन, गणित और विज्ञान की शिक्षा प्राप्त करते थे। शिक्षा पुरी होने के बाद विद्यार्थी गरु दक्षिणा देकर अपने घर लौटते थे।

गुरुकल प्रणाली के प्रमुख विशेषताएँ 1. सर्वांगीण विकासः केवल शैक्षणिक ही नहीं, बल्कि नैतिकता, आत्मनिर्भरता और व्यवहारिक शिक्षा पर

जोर दिया जाता था। 2. अनुशासन और संस्कारः विद्यार्थी अनुशासित जीवन जीते थे और गुरु के प्रति सम्मान का भाव रखते थे।

3. प्राकृतिक वातावरण में शिक्षा- विद्यार्थी गुरुकुल में प्रकृति के निकट रहकर अध्ययन करते थे, जिससे उनका शारीरिक और मानसिक विकास होता था।

4. व्यावहारिक ज्ञानः गुरुकुल में कृषि,



शस्त्र विद्या, योग, आयुर्वेद, संगीत आदि का भी अध्ययन कराया जाता था।

5. समानताः जाति, धर्म या सामाजिक वर्ग के भेदभाव के बिना सभी को शिक्षा प्राप्त करने का अवसर दिया जाता था।

#### वर्तमान शिक्षा प्रणाली में गुरुकुल प्रणाली की प्रासंगिकता

आज की शिक्षा प्रणाली में नैतिक मुल्यों की कमी और प्रतियोगिता का अत्यधिक दबाव देखने को मिलता है। विद्यार्थी केवल अंक प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं और वास्तविक जीवन कौशल तथा नैतिकता से दूर हो जाते हैं। इस स्थिति में, गुरुकुल प्रणाली के सिद्धांतों को पुनः अपनाने की आवश्यकता है।

आज कई संस्थान प्राचीन गुरुकुल प्रणाली को आधुनिक शिक्षा प्रणाली के साथ जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। आधुनिक गुरुकुलों में वैज्ञानिक और तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ नैतिकता, योग, ध्यान और भारतीय संस्कृति पर भी बल दिया जाता है। गुरुकुल प्रणाली केवल एक शिक्षा प्रणाली नहीं, बल्कि एक संपूर्ण जीवन शैली थी, जो विद्यार्थियों को जीवन के हर क्षेत्र में श्रेष्ठ बनने के लिए तैयार करती थी। यदि आधुनिक शिक्षा में गुरुकुल प्रणाली के मूल सिद्धांतों को शामिल किया जाए, तो आने वाली पीढ़ी न केवल बौद्धिक रूप से सक्षम होगी, बल्कि नैतिक और संस्कारित भी होगी।

## **Education** is not just confined to books: it is a journey of experiences and discoveries.

Our college organized on educational trip to three remarkable places: Amrit Udyan, The Book Fair, and Bangla Sahib Gurudwara. This trip was not only informative but also a perfect blend of nature, literature, and spirituality, providing us with a unique learning experience.

**Amrit Udyan- A Paradise of Nature:** The First Stop of our journey was Amrit Udyan, Located within the premises of the Rashtrapati Bhawan. As we entered, we were mesmerized by the breathtaking beauty of colorful

of rose's medicinal plants walking through the serene pathways, we learned about the important of biodiversity and environmental conservation, making it a refreshing and insightful

**Book Fair- An Ocean of Knowledge:** Our next destination was the Book Fair, Where we stepped into a world filled with words, ideas and creativity. The fair hosted a vast collection



...Neha, M.SC (Math.)

of books on literature, science, history, technology and various other subjects. The right of thousands of books and enthusiastic readers was truly inspiring. Many students explored different genres, interacted with publishers, and even purchased books of their interest. The visit reinforced the important of reading and intellectual growth in

Bangla Sahib Gurudwara- A Symbol of Peace and Devotion.

flowers, lush greenery, and artistically designed After exploring the vast ocean of knowledge at fountains. The garden showcased a wide variety the Book Fair, we proceeded towards Bangla Sahib Gurudwara, a symbol of peace, service, and devotion. As we stepped inside, the divine atmosphere and the soothing sound of Gurbani (Spiritual Hyms) filled our hearts with serenity. The time spent at the gurudwara helped us understand the values of compassion, selfless love, and humanity. This experience was not only spiritually enriching but also taught us the important of humility and kindness in life.

## One Day Educational Trip

On 6th Feb. 2025, Our college organized a one -day educational trip for students to visit three interesting places in delhi. These include Amrit Garden in Rashtrapti Bhawan, Manji Sahib Gurudwara and World Book Fair at Pragati

The aim of the trip was to help us learn more about history, culture, spirituality and literature.

First Stop: Amrit Garden

We went to Amrit Garden which is part of Rashtrapati Bhawan area. It is a peaceful garden with many flowers, trees and fountains. We enjoyed walking around, rela&ing and appreciating the beauty of nature. We saw Rashtrapati BhawanÓs building which is huge and beautiful. We clicked photos and enjoyed and learned many

Second Stop:- World Book Fair at Pragati Maidan.

After visiting Amrit Garden we visited to world Book fair at pragati Maidan.

We spent w hour at the book fair. It was a major attraction for students, as it offered a unique opportunity engage with wide variety of books. We went to Hall No-z which was for fiction, Nonfiction books. Many students bought books from the fair and e&plored the area.

Third Stop:- Manji Sahib Gurudwara:-

The Last Stop was manji sahib gurudwara. This is a peaceful place and spiritual

place for Sikhs located in ITO, Delhi, The Gurudwara holds a special place in Sikh History, as it is associated with Guru Nanak Dev Ji, The Founder of Sikhism. The Peaceful Surrounding of the Gurudwara and the teaching we received helped us reflect on the importance of spirituality and helping others.

The trip was truly enriching e&perience. It allowed us to connect with nature, e&plore the world of literature and learn about the values of Sikhism. It was a day well spent and we look forward to more such trip in future.

वित्तीय शिक्षा केवल पैसे कमाने की कला नहीं है, बल्कि यह सही वित्तीय निर्णय लेने. बचत करने, निवेश करने और आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। विशेष रूप से लड़िकयों के लिए वित्तीय शिक्षा बहुत आवश्यक है, क्योंकि यह उन्हें आत्मनिर्भर बनने, अपने खर्चों का प्रबंधन करने और भविष्य की आर्थिक चुनौतियों से निपटने में सक्षम बनाती है।

आत्मनिर्भरता और स्वतंत्रता

जब लड़िकयों को वित्तीय शिक्षा दी जाती है, तो वे अपने वित्तीय संसाधनों को सही तरीके से प्रबंधित कर सकती हैं। इससे वे दूसरों पर आर्थिक रूप से निर्भर नहीं रहतीं और आत्मनिर्भर बनती हैं।

बचत और निवेश की समझ

वित्तीय शिक्षा से लड़िकयों को बचत और निवेश के महत्व का ज्ञान मिलता है। वे बैंकिंग प्रणाली, बीमा, म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार और अन्य निवेश साधनों के बारे में सीख सकती हैं. जिससे वे अपने पैसे को सही जगह निवेश कर सकती हैं।

आर्थिक निर्णय लेने की क्षमता अगर लड़िकयां वित्तीय रूप से सशक्त होंगी, तो वे अपने व्यक्तिगत और पारिवारिक खर्चों को नियंत्रित कर सकेंगी। इससे वे बजट

बनाने, खर्च कम करने और सही वित्तीय निर्णय लेने में सक्षम होंगी।

ऋण और क्रेडिट प्रबंधन आज के दौर में ऋेडिट कार्ड, लोन और ईएमआई जैसी वित्तीय सुविधाएं आम हो गई हैं। वित्तीय शिक्षा लड़िकयों को यह समझने

#### में मदद करती है कि कैसे ऋण लिया जाए, उसे चुकाने की योजना बनाई जाए और बिना आर्थिक दबाव के सही ऋेडिट

स्कोर बनाए रखा जाए। करियर और उद्यमिता के

वित्तीय शिक्षा केवल नौकरी तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह लड़िकयों को उद्यमिता के लिए भी प्रेरित कर सकती है। वे अपने स्वयं के व्यवसाय को शुरू करने, वित्तीय प्रबंधन करने और आर्थिक रूप से सशक्त होने के लिए आवश्यक ज्ञान प्राप्त कर सकती हैं। लड़िकयों के लिए वित्तीय शिक्षा केवल एक विषय नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण

#### लडिकयों के लिए वित्तीय शिक्षा को बढावा देने के तरीके

1. वित्तीय साक्षरता पाठ्यक्रम लागू किए जाने चाहिए ताकि लड़कियां शुरू से ही आर्थिक समझ विकसित कर सकें।

2. माता-पिता को अपनी बेटियों को बचत, खर्च और निवेश के बारे में सिखाना चाहिए।

3. सरकार और गैर-सरकारी संगठनों को महिलाओं के लिए विशेष वित्तीय शिक्षा कार्यऋम और कार्यशालाएं आयोजित करनी चाहिए।

4. ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल भूगतान, और वित्तीय ऐप्स का सही उपयोग सिखाने से लड़िकयां आधुनिक वित्तीय साधनों का लाभ उठा सकती हैं।

5. सफल महिला उद्यमियों और वित्तीय विशेषज्ञों की कहानियाँ साझा करके लड़िकयों को प्रेरित किया जा सकता है।

कदम है। जब लड़िकयां अपने आर्थिक फैसले स्वयं ले सकेंगी, तो वे न केवल अपनी बल्कि अपने परिवार और समाज की भी आर्थिक स्थिति को बेहतर बना सकेंगी।

आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

इसलिए, वित्तीय शिक्षा को लड़िकयों की शिक्षा का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए ताकि वे आत्मविश्वासी, स्वतंत्र और आर्थिक रूप से मजबूत बन सकें।



Priya M.SC (Final)

#### ANUPMA YATRA

#### राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विशेष



#### Asima Chatterjee: A Pioneer in Organic Chemistry and a Role Model for Women in Science.

Asima Chatterjee was a trailblazing Indian organic chemist who made significant contributions to the fields of organic chemistry and phytomedicine. Born on September 23, 1917, in Kolkata, India, Chatterjee's work had a profound impact on the development of medicinal plants and natural products chemistry 1.

Chatterjee's academic journey was marked by excellence, as she graduated with honors in chemistry from the Scottish Church College of the University of Calcutta in 1936. She further pursued her master's degree in organic chemistry

from the University of Calcutta, completing it in 1938. Her doctoral research, focused on the chemistry of plant products and synthetic organic chemistry, earned her a Doctorate of Science from the University of Calcutta in 1944, making her the first woman to achieve this feat in India 1.

Chatterjee's research centered around natural products chemistry, leading to the development of anti-convulsive, anti-malarial, and chemotherapy drugs. Her most notable contributions include:

- Research on Vinca Alkaloids: Chatterjee's work on vinca alkaloids led to the development of anti-cancer drugs.

- Development of Anti-Epileptic Drugs: Her research resulted in the creation of the successful anti-epileptic drug, 'Ayush-56'. - Development of Antimalarial Drugs:

Chatterjee's work on natural products led to the development of anti-malarial drugs. Throughout her career, Chatterjee

received numerous awards and honors,

including: Shanti Swarup Bhatnagar Award: Chatterjee was the first female recipient of this prestigious award in 1961.

- Padma Bhushan: She was conferred with the Padma Bhushan in 1975.

- Fellow of the Indian National Science Academy: Chatterjee was elected a Fellow of the Indian National Science Academy in 1960 1

Chatterjee's legacy extends beyond her scientific contributions. She was a pioneer for women in science, inspiring generations of female scientists. Her remarkable life and achievements serve as a testament to her dedication, perseverance, and passion for science.

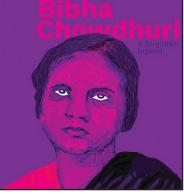
#### Dr. Bibha Chowdhuri



Dr. Bibha Chowdhuri was a trailblazing Indian particle physicist who made significant contributions to the field of cosmic ray research. Born in 1913 in Kolkata, India, Chowdhuri came from a family of social reformers who valued education, particularly for women <sup>1</sup>.

Chowdhuri's academic achievements are impressive. She earned her Master's degree in Physics from the University of Calcutta in 1936, as the only female student in her class. Later, she became the first Indian woman to pursue a Ph.D. in physics, joining the lab of Sir P.M.S. Blackett in Manchester, UK in 1945 **Key Contributions:** 

■Discovery of Mesotrons/Mesons: Chowdhuri, along with her supervisor D.M. Bose, detected and identi-



fied mesotrons/mesons using photographic nuclear emulsion 2.

■Cosmic Ray Research: Her work involved understanding the nature and composition of cosmic rays, and she even rode mules with Bose into the Himalayas to set up experiments at high altitudes 1.

► Pioneering Work: Chowdhuri's research paved the way for future scientists, and her work was acknowledged by Cecil Powell, who won the Nobel Prize in 1950 for his detection of pions 1.

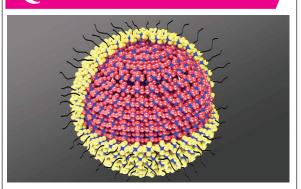
Despite her significant contributions, Chowdhuri's work was often overlooked, and she faced challenges as a woman in a male-dominated field. Nevertheless, her legacy continues to inspire future genera-

#### **Silent Warriors: How Plants Defend Themselves Against Stress and Threats**



Plants face various environmental stresses, including drought, extreme temperatures, salinity, and attacks from pests and pathogens, but they have developed unique defence mechanisms to survive. During drought, they close their stomata to reduce water loss, produce abscisic acid (ABA) to regulate water balance, and grow deeper roots to access underground water. In high temperatures, they synthesize heat shock proteins (HSPs) to protect cells, while in cold conditions; they produce antifreeze proteins and accumulate soluble sugars to prevent ice crystal formation. To combat salinity, some plants, like mangroves, excrete excess salt through their leaves or regulate ion balance. Against herbivores, plants release toxic compounds like alkaloids and tannins, emit volatile organic compounds to attract predator insects that feed on harmful pests, or display mechanical responses like Mimosa pudica, which folds its leaves upon touch. In response to

#### **Duantum dots**



Quantum dots (QDs) are semiconductor nanoparticles that exhibit unique optical and electronic properties due to quantum confinement effects. Their fluorescence depends on size, with smaller QDs emitting blue light and larger ones emitting red light. These nanomaterials have high quantum yield, excellent photostability, and a tunable bandgap, making them highly useful in various applications. QDs are widely used in bioimaging, medical diagnostics, quantum dot displays (QLEDs) solar cells, and quantum computing. However, concerns regarding their toxicity, scalability, and biocompatibility remain challenges for their widespread adoption. Ongoing research focuses on developing ecofriendly, non-toxic alternatives and improving synthesis techniques to harness their full potential in advanced

pathogens, their cell walls act as barriers, and they employ hypersensitive responses (HR) by sacrificing infected cells to prevent further spread while also activating systemic acquired resistance (SAR) for longterm immunity. Additionally, plant hormones like abscisic acid help in drought and cold resistance, jasmonic acid defends against herbivores, and salicylic

The Chemistry behind your screens Liquid crystals are fascinating material that blend the properties of both liquids and solids, making them essential in the technology of modern displays, such as those in smart phones, tablets and televisions. At the molecular level, liquid crystals consist of long, rod-like molecules that

ing a degree of order similar to that of

solids. This dual nature allows liquid crystals to manipulate light effectively. In a Liquid Crystal Display (LCD), the liquid crystal layer is sandwiched between two polarizing filts, which only allow light waves vibrating in a specific direction to pass through. When no electric current is applied, the liquid crystals molecules are arranged in a way that blocks light. However, when a voltage is applied, the orientation of these molecules changes, altering the light's path and creating images. Behind the liquid crystal layer, a light source, usually composed of light-emitting diodes (LEDs), illuminates the display; by controlling the voltage applied to each pixel, the display can show a range of colors and create sharp images. The advantages of using crystals in displays include their thin and lightweight design, energy efficiency, and ability to produce vibrant colors. This intricate interplay of chemistry and physics allows us to enjoy the vivid visuals, we see on our

can flow like a liquid while maintain-

acid enhances disease resistance. These structural biochemical, and hormonal adaptations enable plants to survive and thrive in challenging environments despite being immobile. screens every day.

Question: What novel chemical reaction enables precise fictionalization of peptides and proteins?

**Answer:** Palladium-mediated

Question: What innovative approach has been introduced to enhance hydrogen production from ethanol?

**Answer:** Catalyst design

Question: Which new carbon allotrope shows promise for electronic applications?

**Answer:** Graphyne Question: What recent advancement has been made in the

recycling of rare earth metals?

**Answer:** Ionic liquids Question: Which AI model has significantly improved pro-

tein structure prediction? **Answer:** AlphaFold

Question: I am a phenomenon that occurs when the angle of incidence is greater than the angle of refraction. What am I?

**Answer:** Total internal reflection. Question: I am a type of wave that can travel through a vacuum, but not through a solid. What am I?

Answer: Electromagnetic wave (e.g., light, radio waves). Question: I am a force that arises from the interaction

between two charged particles. What am I? **Answer:** Electrostatic force.

Question: I am a process by which cells become specialized to perform specific functions. What am I? **Answer:** Differentiation.

Question: I am a type of molecule that contains the genetic instructions for an organism. What am I?

Answer: DNA (deoxyribonucleic acid).

Question: I am a system that allows plants to transport water and nutrients from the roots to the leaves. What am I?

Question: I am a type of reaction that involves the transfer of electrons from one species to another. What am I?

**Answer:** Redox reaction.

Question: I am a type of bond that forms between two atoms that share one or more pairs of electrons. What am I? **Answer:** Covalent bond.

Question: I am a process by which a solid changes directly to a gas without going through the liquid phase. What am I?

**Answer:** Sublimation. Question: I am a type of rock that forms from the cooling and solidification of magma. What am I?

Answer: Igneous rock. **Question:** I am a process that shapes the Earth's surface

through the movement of tectonic plates. What am I? **Answer:** Plate tectonics.

Question: I am a type of natural disaster that occurs when the Earth's crust is stretched or pulled apart. What am I?

**Answer:** Earthquake.

Question: I am a process by which plants convert sunlight into energy. What am I?

**Answer:** Photosynthesis.

Question: I am a type of ecosystem that is characterized by a lack of trees and a dominance of grasses and wildflowers.

**Answer:** Prairie.

Question: I am a type of pollution that occurs when excess nutrients enter a body of water. What am I?





## होलीः रंगों और एकता का पर्व

होली भारत के सबसे रंगीन और उल्लासपूर्ण त्योहारों में से एक है। इसे ÷रंगों का त्योहार÷ कहा जाता है, जो वसंत के आगमन का प्रतीक है और बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है। यह त्योहार सिर्फ रंग खेलने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रेम, सौहार्द और भाईचारे को बढ़ावा देने का भी संदेश देता है।

होली का महत्वः होली का धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व बहुत गहरा है। यह पर्व मुख्य रूप से प्रह्लाद और होलिका की पौराणिक कथा से जुड़ा हुआ है। कथा के अनुसार, प्रह्लाद भगवान विष्णु का भक्त था, जबिक उसका पिता हिरण्यकशिपु एक अत्याचारी राजा था, जो खुद को भगवान मानता था। जब प्रह्लाद ने उसकी पूजा करने से इनकार किया, तो हिरण्यकशिप ने अपनी

बहन होलिका की मदद से उसे जलाने की योजना बनाई। होलिका को अग्नि में न जलने का वरदान प्राप्त था, इसलिए वह प्रह्लाद को गोद में लेकर आग में बैठ गई। लेकिन भगवान की कृपा से प्रह्लाद बच गया और होलिका जलकर राख हो गई। यही कारण है कि होलिका दहन बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। भारत में होली के अनोखे रूप: भारत के विभिन्न राज्यों में होली

को अलग-अलग तरीकों से मनाया जाता है, जो हर क्षेत्र की संस्कृति को दर्शाता है।

बरसाना और नंदगांव की लठमार होली: उत्तर

नंदगांव में होली को लठमार होली के रूप में मनाया जाता है। इस उत्सव में महिलाएं पुरुषों को लाठियों (लाठियों) से मारती हैं, और पुरुष खुद को बचाने की कोशिश करते हैं। यह परंपरा राधा और कृष्ण की प्रेम-कथा से प्रेरित है, जो इस पर्व को और भी रोचक बना देती है।

मथुरा और वृंदावन की होली: भगवान कृष्ण की जन्मभूमि मथुरा और लीला भूमि वृंदावन में होली विशेष रूप से भव्य रूप से मनाई जाती है। फूलों की होली (फूलों की होली) और रंगभरी एकादशी यहां की विशेषताएं हैं। बांके बिहारी मंदिर में रंगों की बौछार के बीच भक्ति का

उत्सव देखने लायक होता है। शांति निकेतन का बसंत उत्सवः

पश्चिम बंगाल में रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा शुरू किया गया बसंत उत्सव होली का एक सांस्कृतिक रूप है। इसमें छात्र पारंपरिक पीले वस्त्र पहनकर नृत्य, संगीत और कविता के माध्यम से वसंत का स्वागत

महाराष्ट्र की रंग पंचमी: महाराष्ट्र में होली के बाद रंग पंचमी का उत्सव बडे धुमधाम से मनाया जाता है। यहां होली के दौरान पूरनपोली और ठंडाई का विशेष महत्व होता

राजस्थान की शाही होली: राजस्थान में होली राजसी अंदाज में मनाई जाती है। जयपुर और उदयपुर में राजघराने हाथियों की सवारी, शाही जुलूस और पारंपरिक लोकनृत्य के साथ इसे एक भव्य पर्व के रूप में मनाते हैं।

### होली पर स्किन केयर टिप्स- रंगों से बचाव और त्वचा की देखभाल



केमिकल युक्त रंग त्वचा और बालों को

नुकसान पहुंचा सकते हैं। त्वचा को

सुरक्षित और हेल्दी बनाए रखने के लिए

कुछ आसान स्किन केयर टिप्स अपनाएं।

होली से पहले रिकन केयर टिप्स:

1. नारियल या सरसों का तेल लगाएं

चेहरे, हाथ, पैरों और गर्दन पर नारियल,

सरसों या जैतून का तेल अच्छी तरह से

लगाएं। इससे रंग त्वचा में नहीं चिपकेगा

और आसानी से निकल जाएगा। 2.

मॉइस्चराइजर या सनस्ऋीन का इस्तेमाल

करें धूप से बचने के लिए सीपीएफ 30

प्लस वाला वाटरप्रूफ सनस्ऋीन लगाएं।

स्किन को ड्राई होने से बचाने के लिए

बाम

कॉटन के कपड़े फिर कॉटन से पोंछ लें। पहनें फुल स्लीव्स के कपड़े और धूप के 4. खूब पानी पिएं और त्वचा को

कम रंगों के संपर्क में आए। 8-10 गिलास पानी पिएं। ताजे फल और 5. प्राकृतिक फेस पैक लगाएं: बेसन् हेल्दी ड्राइट लें, जिससे स्किन ग्लो करे।

बालों की देखभाल के लिए टिप्स 🗸 होली से पहले बालों में नारियल या सरसों का तेल लगाएं।

🗸 होली के बाद हल्के माइल्ड शैम्पू से बाल धोएं और डीप कंडीशनिंग करें। 🗸 रंगों से बचाने के लिए दुपट्टा या कैप

पहर्ने।

युक्त 1.साबुन की जगह दही या बेसन माँ इस्चर । इजर इस्तेमाल करें: रंग छुड़ाने के लिए कच्चा दूध, दही, बेसन और हल्दी का मिश्रण 3. नेल पेंट और बनाकर त्वचा पर लगाएं। इससे त्वचा पर लिप बाम लगाएं, जलन नहीं होगी और रंग आसानी से रंगों से बचाने के निकल जाएगा।

लिए गहरे रंग की 2. स्क्रिबंग से बचें: रंग छुड़ाने के लिए पॉलिश कठोर स्त्रब या ज्यादा रगड़ने से बचें, लगाएं। होठों को इससे त्वचा रुखी और लाल हो सकती है। सुरक्षित रखने के गुलाब जल या एलोवेरा जेल से चेहरा लिए मॉइश्चराइजिंग साफ करें।

का 3. नारियल तेल से मसाज करें: अगर रंग नहीं हट रहा है तो नारियल तेल या 4. फुल स्लीव्स और जैतून के तेल से हल्की मसाज करें और

चश्मे (गॉगल्स) पहनें ताकि त्वचा कम से मॉइस्चराइज करें: होली के बाद स्किन ड्राई हो सकती है, इसलिए एलोवेरा जेल 5. ज्यादा पानी पिएं और हेल्दी डाइट लें या कोई अच्छा मॉइस्चराइजर लगाएं। खूब त्वचा को अंदर से हाइड्रेट रखने के लिए पानी पिएं और ताजे फलों का सेवन करें। हल्दी, दही और गुलाब जल मिलाकर फेस पैक लगाएं, जिससे त्वचा का नेचुरल ग्लो बना रहेगा।

> होली के रंगों से त्वचा को सुरक्षित रखना बहुत जरूरी है। ऊपर दिए गए प्राकृतिक उपायों और स्किन केयर टिप्स को अपनाकर आप बिना किसी डर के होली का मजा ले सकते हैं।

## महाविद्यालय में होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन



महाविद्यालय में हर्षोल्लास के साथ होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शिक्षकों एवं गैर-शिक्षकीय कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। समारोह के अंतर्गत भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित जनों ने भगवान श्रीकृष्ण की होली से संबंधित भजनों की मधुर प्रस्तुति दी। इस सांस्कृतिक संध्या ने पूरे माहौल को भक्तिमय और रंगीन बना दिया। इस अवसर पर गृह विज्ञान विभाग द्वारा होली व्यंजन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागियों ने पारंपरिक होली पकवानों जैसे गुजिया, मालपुआ, दही वड़ा आदि की विविधता प्रस्तृत की। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट व्यंजन बनाने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। तत्वावधान में किया गया।

कार्यक्रम मे वाणिज्य विभाग की छात्राओं ने फूड स्टाल लगाई । जिसमें गोलगप्पे,स्वीट कॉर्न दही पापड़ी ,गुजिया आदि प्रमुख रहे। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं ने श्री कृष्ण भक्तिमय गीतों पर नृत्य की प्रस्तुतियां भी दी । इस अवसर पर प्राचार्या डा.अलका मितल ने सभी को होली की शुभकामनाएँ दीं और इस प्रकार के आयोजनों को सामाजिक सौहार्द और आपसी मेलजोल बढाने का उत्कृष्ट माध्यम बताया। समारोह का समापन रंगों, संगीत और आपसी स्नेह के साथ हुआ, जिससे महाविद्यालय परिवार में उमंग और उल्लास का वातावरण बना रहा।कार्यऋम का आयोजन वाणिज्य विभाग एवं एथिकल सेल के संयुक्त

## ल आगोनक रग बनाने व

होली के रंगों को प्राकृतिक और सुरक्षित बनाने के लिए आप घर पर ही ऑर्गेनिक (प्राकृतिक) रंग तैयार कर सकते हैं। ये रंग त्वचा के लिए सुरक्षित, पर्यावरण के अनुकुल और बिना किसी हानिकारक रसायन के होते हैं। आइए जानें कि घर पर होली के लिए प्राकृतिक रंग कैसे बनाएं।

#### लाल रंग (गुलाल) बनाने की विधि

सामग्रीः गुड़हल (हिबिस्कस) या गुलाब की सूखी पत्तियाँ- सखाकर पीस लें।

लाल चंदन पाउडर- सुंदर गहरा लाल रंग देता है। चुकंदर पाउडर- चुकंदर को सुखाकर पीस लें, यह चमकदार लाल रंग देता है।

कॉर्नस्टार्च या अरारोट- पाउडर को हल्का और स्मूथ बनाने के लिए मिलाएं।

तरल लाल रंगः चुकंदर के छिलकों को पानी में उबालें, ठंडा करें और स्प्रे के रूप में इस्तेमाल करें।



पीला रंग बनाने की विधि

सामग्रीः हल्दी (ताज़ी या पाउडर) - चमकीला पीला रंग देती है। बेसन (चना आटा) - हल्दी में मिलाकर हल्का पीला रंग तैयार करें।

गेंदे के सूखे फूल - पीसकर हल्दी में मिलाएं। तरल पीला रंग: हल्दी को गर्म पानी में घोलें और तरल रंग के रूप में उपयोग करें।

हरा रंग बनाने की विधि

सामग्री:पालक या नीम की पत्तियाँ - सुखाकर पीस चंदन पाउडर - हल्का नारंगी रंग देता है।

मेहंदी पाउडर (केमिकल-फी) - सुंदर हरा रंग देता

तरल हरा रंगः पालक या नीम की पत्तियों को पानी में उबालें, ठंडा करें और छानकर स्प्रे के रूप में इस्तेमाल करें।

4. नीला रंग बनाने की विधि

सामग्रीः नीले गुड़हल - सुखाकर पीस लें। कॉर्नफ्लावर के फल - पीसकर हल्का नीला रंग तैयार

करें। तरल नीला रंगः नीले गुड़हल को पानी में उबालें, ठंडा करें और छानकर उपयोग करें।

5. नारंगी/केसरिया रंग बनाने की विधि सामग्रीः टेसू (पलाश) के सूखे फूल - पीसकर नारंगी रंग बनाएं।

तरल नारंगी रंगः पलाश के फूलों को रातभर पानी में भिगोकर सुबह रंग के रूप में इस्तेमाल करें।

#### गुलाबी रंग बनाने की विधि

सामग्रीः गुलाब की सूखी पत्तियाँ - पीसकर हल्का गुलाबी रंग बनाएं।

चुकंदर पाउडर - कॉर्नस्टार्च में मिलाकर हल्का गुलाबी रंग दें।

तरल गुलाबी रंगःः चुकंदर को कद्दुकस करके पानी में उबालें, ठंडा करके स्प्रे के रूप में इस्तेमाल करें। ऑर्गेनिक रंगों को स्टोर करने के टिप्स:

>> सुखे रंग - एयरटाइट कंटेनर में रखें ताकि नमी न

>> तरल रंग - फिज में स्टोर करें और कुछ दिनों में इस्तेमाल करें।

>> इन प्राकृतिक रंगों से होली खेलें और इस त्योहार को सेहतमंद और सुरक्षित बनाएं!

स्वामित्व, मुद्रक एंव प्रकाशक आदर्श महिला महाविद्यालय भिवानी द्वारा हरियाणा की आवाज प्रिंटर्स(स्वामित्व मुकेश रोहिल्ला), भिवानी से मुद्रित करवाकर आदर्श महिला Title-Code:- HARBIL01906 प्रबंध सम्पादकः डॉ. अलका मित्तल महाविद्यालय, हांसी गेट भिवानी-127021 से प्रकाशित किया जाता है।

मोबाईल नम्बर: 9306940790 नोट: सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भिवानी न्यायालय होगा Gmail: anupama.express@ammb.ac.in